BHARATHI COLLEGE OF EDUCATION

An abode of education

Kandri ,Mandar ,Ranchi

B.Ed (1st Year)

Sassion 2021-2023

(MICRO TEACHING)

HISTORY

METHOD II

Guided by :-
Asst. Prof.

MADHU RANJAN

Submitted by :-

NAME :- NEHA KUMARI

ROLL N. - 51

Sassion 2021-2023

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

सूक्ष्म पाठ योजना - 1

विद्यालय का नाम — भारथी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, माण्डर
वर्ग — 9th
खण्ड — "A"
विषय — इतिहास
प्रकरण — रूसी क्रांति
अवधि — 15 मिनट
दिनाँक —

छात्राध्यापिका का नाम — नेहा कुमारी

सामान्य उद्देश्य	i) छात्र इतिहास विषय के महत्व को समझ सकेंगे। ii) छात्र इतिहास विषय के प्रति रूचि उत्पन्न कर सकेंगे। iii) छात्रो में इतिहास जानने की जिज्ञासा उत्पन्न करना।
विशिष्ट उद्देश्य	i) रूस की क्रांति के बारे में छात्रों को सम्पूर्ण जानकारी प्रदान करना। ii) छात्र यूरोप में समाजवाद के उदय में रूसी क्रांति की भूमिका को बता सकेंगे।
शिक्षण सामग्री	→ श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, चार्ट पेपर आदि।
शिक्षण विधि	→ व्याख्यात्मक एवं प्रश्नोत्तर विधि।
वर्ग व्यवस्था	→ शिक्षिका वर्ग व्यवस्था को अनुशासित करेंगी।
पूर्व ज्ञान	→ छात्रों को यूरोप में समाजवाद की पूर्व जानकारी होनी चाहिए।

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाशीलन
वर्ग प्रवेश	शिक्षिका वर्ग मे प्रसन्न मुद्रा में प्रवेश करेंगी तथा छात्रो का अभिवादन स्वीकार करेंगी और उन्हे बैठने की अनुमति प्रदान करेंगी
प्रस्तावना	1) यूरोप मे समाजवाद के बाद यूरोप के किस देश में क्रांति हुई ? 2) प्रजातांत्रिक व्यवस्था में सभी को कैसा अधिकार प्राप्त होता है ? बहुत अच्छा !
उद्देश्य कथन	छात्रो ! आज मैं आपलोगो को रूसी क्रांति के बारे मे विस्तार से बताऊँगी ।
प्रस्तुतीकरण	यूरोप के सबसे पिछड़े देशो मे से एक रूस मे यह समीकरण उलट गया । रूस की 1917 की अक्टूबर क्रांति के द्वारा रूस की सत्ता पर समाजवादियो ने कब्जा कर लिया । फरवरी 1917 मे राजशाही के पतन और अक्टूबर की घटनाओं को ही अक्टूबर की क्रांति कहा जाता है। सितंबर 1917 में लेनिन ने सरकार के खिलाफ विद्रोह के बारे में चर्चा शुरू करदी । 24 अक्टूबर को विद्रोह शुरू हो गया ।

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Mandar, Ranchi

छात्र क्रियाशीलन	श्यामपट्ट कार्य
छात्र - छात्राएँ शिक्षिका का अभिवादन करेंगें तथा अनुमति मिलने पर बैठ जायेंगें।	
संभावित उत्तर 1) रूस की क्रांति। 2) समस्यात्मक प्रश्न।	**कुछ महत्वपूर्ण तिथियाँ** → 1850-1880 में रूस में समाजवाद पर बहस। → 1905 खूनी रविवार और 1905 की क्रांति। → 2 मार्च 1917 - जार द्वारा पद त्याग। → 1918-20 में गृहयुद्ध। → 1919 में कॉमिन्टर्न का गठन।
छात्र एवं छात्राएँ शांति से ध्यानपूर्वक सुनेंगे और मुख्य बिन्दुओं को अपनी उत्तर पुस्तिका में नोट करेंगें।	

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक गतिविधि

सूक्ष्म पाठ योजना – 2

विद्यालय का नाम – भारथी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, माण्डर
वर्ग — 9th
खण्ड — "B"
विषय — इतिहास
प्रकरण — फ्रांस की क्रांति की शुरूआत
अवधि — 15 मिनट
दिनांक —
छात्राध्यापिका का नाम — नेहा कुमारी

सामान्य उद्देश्य	(i) छात्रों में कल्पना शक्ति का विकास करना। (ii) छात्रों में इतिहास जानने की जिज्ञासा उत्पन्न करना। (iii) छात्रों में इतिहास विषय के प्रति रूचि उत्पन्न करना।
विशिष्ट उद्देश्य	(i) फ्रांस की क्रांति के बारे में छात्रों को संपूर्ण जानकारी प्रदान करना। (ii) छात्रों को 18 वीं शताब्दी के फ्रांस से अवगत कराना।
शिक्षण सामग्री	→ श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, चार्ट इत्यादि।
शिक्षण विधि	→ व्याख्यात्मक एवं प्रश्नोत्तर विधि।
वर्ग व्यवस्था	→ शिक्षिका वर्ग-व्यवस्था को अनुशासित करेंगी।
पूर्व ज्ञान	→ छात्रों को विश्व के इतिहास की सामान्य जानकारी है।

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाशीलन
वर्ग प्रवेश	शिक्षिका वर्ग मे प्रसन्न मुद्रा में प्रवेश करेंगी तथा छात्रों का अभिवादन स्वीकार करेंगी और उन्हें बैठने की अनुमति प्रदान करेंगी।
प्रस्तावना	i) हम किस देश मे रहते है? ii) फ्रांसीसी क्रांति की शुरूआत कब हुई? iii) फ्रांसीसी समाज कितने वर्गो में विभाजित था? iv) फ्रांसीसी जनता क्रांति की ओर किस प्रकार अग्रसर हुई? बहुत अच्छा!
उद्देश्य कथन	छात्रों। आज हमलोग "फ्रांस की क्रांति की शुरूआत किस प्रकार हुई," इसके बारे मे अध्ययन करेंगे।
प्रस्तुतीकरण	फ्रांसीसी सम्राट लुई XVI ने 5 मई 1789 को नये करो के प्रस्ताव के अनुमोदन के लिए एस्टेट्स जेनरॉल की बैठक बुलाई। पहले और दूसरे एस्टेट ने इस बैठक मे अपने 300-300 प्रतिनिधि भेजे जो आमने-सामने की कतारों में बिठाए गये। तीसरे एस्टेट के 600 प्रतिनिधि भेजे गये जो उनके पीछे खड़े किये गये। इसका प्रतिनिधित्व समृद्ध एवं शिक्षित वर्ग कर रहे थे।

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

छात्र क्रियाशीलन	श्यामपट्ट कार्य
छात्र-छात्राएँ शिक्षिका का अभिवादन करेंगे और अनुमति मिलने पर बैठ जायेंगे।	
संभावित उत्तर i) भारत ii) 14 जुलाई 1789 iii) 3 वर्गों मे iv) मौन (समस्यात्मक प्रश्न)	फ्रांस की क्रांति की शुरूआत -> 1774 में लुई XVI फ्रांस का राजा बनता है। -> 1804 मे नेपोलियन फ्रांस का सम्राट बनता है तथा यूरोप के विशाल भूभाग पर कब्जा कर लेता है। -> 1815 मे वॉटरलू में नेपोलियन की हार हुई।
छात्र/छात्राएँ शांति से ध्यानपूर्वक शिक्षिका की बातों को सुनेंगे तथा मुख्य तथ्यों को अपनी उत्तर पुस्तिका मे लिखेंगे।	Attested Principal Bharathi College of Education Kandri, Mandar, Ranchi

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाशीलन
पुनरावृत्ति के प्रश्न	i) फ्रांस की क्रांति किस वर्ष शुरू हुई? ii) फ्रांसीसी समाज तीन वर्गों में बटाँ है। कौन-कौन ? iii) फ्रांस की क्रांति के समय वहाँ का राजा कौन था ?
मूल्यांकन के प्रश्न	i) फ्रांस की क्रांति कब से प्रारंभ होकर कब तक चली ? ii) फ्रांस की क्रांति में पहले और दूसरे स्टेट ने कितने प्रतिनिधि भेजे ?
गृह कार्य	i) फ्रांस की क्रांति की शुरूआत कैसे हुई ? ii) फ्रांस की समाज कितने वर्गों में विभाजित थी और उनके क्या-क्या नाम है ?

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

छात्र क्रियाशीलन	श्यामपट्ट कार्य
उत्तर i) 14 जुलाई 1789 ii) प्रथम स्टेट, द्वितीय स्टेट तथा तृतीय स्टेट। iii) लुई-16 वाँ। छात्र / छात्राएँ शिक्षिका की बातों को ध्यानपूर्वक सुनेंगे तथा मुख्य बिन्दुओं को अपनी कॉपी पर लिखेंगे।	मुख्य बिंदु ⇒ फ्रांस की क्रांति 14 जुलाई 1789 की सुबह शुरू हुई थी। ⇒ फ्रांसीसी क्रांति के समय वहाँ का राजा लुई सोलहवाँ था। ⇒ फ्रांस का समाज तीन भाग में बँटा था। - (a) प्रथम स्टेट (b) द्वितीय स्टेट (c) तृतीय स्टेट

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

सूक्ष्म पाठ योजना - 3

विद्यालय का नाम — भारथी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, माण्डर
वर्ग — 9th
खण्ड — "A"
विषय — इतिहास
प्रकरण — यूरोप में समाजवाद
अवधि — 15 मिनट
दिनांक —
छात्राध्यापिका का नाम — नेहा कुमारी

सामान्य उद्देश्य	i) छात्रों में इतिहास विषय के प्रति रूचि जाग्रत करना। ii) छात्रों में मानसिक शक्ति का विकास करना। iii) अतीत मे महत्वपूर्ण जानकारी को सामने रखकर वर्तमान को स्पष्ट करना।
विशिष्ट उद्देश्य	i) छात्रो को यूरोप के क्रांतिकारियों की जानकारी प्रदान करना। ii) छात्र यूरोप मे समाजवाद की विचारधारा को स्पष्ट रूप से समझ सकेंगे।
शिक्षण सामग्री →	चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, चार्ट, चित्र इत्यादि।
शिक्षण विधि →	व्याख्यात्मक एवं प्रश्नोत्तर विधि।
वर्ग-व्यवस्था →	शिक्षिका वर्ग व्यवस्था को अनुशासित करेगी।
पूर्व ज्ञान →	छात्रों को पहले से यूरोप में समाजवाद की सामान्य जानकारी है।

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाशीलन
वर्ग प्रवेश	शिक्षिका वर्ग मे प्रसन्न मुद्रा मे प्रवेश करेगी तथा छात्रो का अभिवादन स्वीकार करेंगी और उन्हें बैठने की अनुमति प्रदान करेंगी।
प्रस्तावना	1) फ्रांस देश किस महाद्वीप में स्थित है? 2) फ्रांस की क्रांति के बाद यूरोप मे किसका उदय हुआ? 3) यूरोप में समाजवाद के बारे मे क्या समझते है? बहुत अच्छा!
उद्देश्य कथन	छात्रो। आज मैं आप लोगो को यूरोप में समाजवाद के बारे में विस्तारपूर्वक बताऊँगी।
प्रस्तुतीकरण	समाज के पुनर्गठन की संभवतः सबसे दूरगामी दृष्टि प्रदान करने वाली विचारधारा समाजवाद ही थी। समाजवादी निजी सम्पत्ति के विरोधी थे। यानि

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

छात्र क्रियाशीलन	श्यामपट्ट कार्य
छात्र-छात्राएँ शिक्षिका का अभिवादन करेंगे और अनुमति मिलने पर बैठ जायेंगे।	यूरोप में समाजवाद
संभावित उत्तर	महत्वपूर्ण बिन्दु
1) यूरोप	⇒ यूरोप के समाजवादी निजी सम्पत्ति के विरोधी थे।
2) राष्ट्रवाद, समाजवाद।	
3) मौन (समस्यात्मक प्रश्न)	⇒ यूरोप के समाजवादी मानते थे कि सभी को उनके काम के हिसाब से हिस्सा मिले।
छात्र/छात्राएँ शिक्षिका की बातों को ध्यानपूर्वक सुनेंगे तथा मुख्य बातों को अपनी कॉपी में लिखेंगे।	Attested Principal Bharathi College of Education Kandri, Mandar, Ranchi

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाशीलन
	वे सम्पत्ति पर निजी स्वामित्व को सही नहीं मानते थे। उनका कहना था कि सम्पत्ति के निजी स्वामित्व की व्यवस्था ही सारी समस्या की जड़ है। उनका मानना था कि वे चाहते थे कि प्रत्येक सदस्य को किये गये काम के हिसाब से बराबर हिस्सेदारी मिले।
पुनरावृत्ति के प्रश्न	1) समाजवादी किसे सभी समस्याओं की जड़ मानते थे? 2) समाजवादी किसके विरोधी थे? 3) रूस की क्रांति को और किस नाम से जाना जाता है?

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

छात्र क्रियाशीलन	श्यामपट्ट कार्य
छात्र/छात्राएँ ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	-: निजी की स्वामित्व :-
	को-ऑपरेटिव :-
उत्तर 1) निजी स्वामित्व का। 2) निजी संपत्ति के। 3) अक्टूबर की क्रांति।	ऐसे लोगों के समूह थे जो मिलकर चीजे बनाते थे और मुनाफे को प्रत्येक सदस्य द्वारा किये गये काम के हिसाब से आपस में बाँट लेते थे।
	*) यूरोप में समाजवाद के बाद यूरोप के रूस देश मे क्रांति हुई।
	*) रूस की क्रांति 1917 में हुई थी।
	*) रूस की क्रांति को अक्टूबर की क्रांति से जाना जाता है।

Attested

Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

मूल्यांकन के प्रश्न :-

1) कोऑपरेटिव किसे कहा जाता था ?

2) यूरोप क्रांति के बाद फ्रांस में कैसी व्यवस्था स्थापित हुई ?

गृह कार्य :-

1) यूरोप में समाजवाद से आप क्या समझते है ?

2) रूस की क्रांति की शुरूआत कब हुई ?

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

सूक्ष्म पाठ योजना - 4

विद्यालय का नाम - भारथी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, मान्डर

वर्ग — X

खण्ड — "A"

विषय — इतिहास

प्रकरण — असहयोग आंदोलन

अवधि — 15 मिनट

दिनांक —

छात्राध्यापिका का नाम — नेहा कुमारी

सामान्य उद्देश्य	i) छात्र इतिहास विषय के महत्व को समझ सकेंगे। ii) छात्रों मे इतिहास जानने की जिज्ञासा उत्पन्न करना। iii) छात्रों में मानसिक शक्ति का विकास करना।
विशिष्ट उद्देश्य	i) छात्र असहयोग आंदोलन के बारे में पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। ii) छात्र असहयोग आंदोलन की व्याख्या कर सकेंगे।
शिक्षण सामग्री	→ श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, चित्र, पाठ्यपुस्तक इत्यादि।
शिक्षण विधि	→ व्याख्यात्मक एवं प्रश्नोत्तर विधि।
वर्ग व्यवस्था	→ शिक्षिका वर्ग व्यवस्था को अनुशासित करेगी।
पूर्व ज्ञान	→ छात्रों को पहले से असहयोग आंदोलन के बारे में सामान्य जानकारी है।

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापिका क्रियाशीलन
वर्ग - प्रवेश	शिक्षिका वर्ग में प्रसन्न मुद्रा में प्रवेश करेंगी तथा छात्रों का अभिवादन स्वीकार करेंगी और उन्हें बैठने की अनुमति प्रदान करेंगी।
प्रस्तावना	1) जालियाँवाला काण्ड के बाद गाँधी जी ने कौन-सा आंदोलन प्रारंभ किया?
	2) हमारे देश के राष्ट्रीय पर्व कौन-कौन से है?
	3) असहयोग आंदोलन के बारे में आप क्या जानते है?
उद्देश्य कथन	बहुत अच्छा! छात्रों आज हम लोग असहयोग आंदोलन के बारे में अध्ययन करेंगे।
प्रस्तुतीकरण	ज़ालियाँवाला काण्ड के बाद 1920 ई० मे गाँधी जी के नेतृत्व में विदेशी शासन के विरोध मे असहयोग आंदोलन प्रारंभ हुआ। इसमें सूत काटने, कपड़ा बनाने, स्वदेशी विद्यालय खोले जाने के साथ ही सरकारी कामकाज उपाधियों का त्याग तथा विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार किया। राष्ट्रीय चेतना फैलाने तथा वनों पर सरकारी प्रभुत्व और

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

छात्र क्रियाशीलन	श्याम पट्ट कार्य
छात्र-छात्राएँ शिक्षिका का अभिवादन करेंगे और अनुमति मिलने पर बैठ जायेंगे।	**असहयोग आंदोलन**
संभावित उत्तर	
1) असहयोग आंदोलन	* असहयोग आंदोलन की शुरुआत 1 अगस्त 1920 में हुआ था।
2) 26 जनवरी, 15 अगस्त, 2 अक्टूबर।	
3) मौन (समस्यात्मक प्रश्न)	* ब्रिटिश शासन के विरुद्ध असहयोग आंदोलन प्रारंभ हुआ।
छात्र/छात्राएँ शांति से ध्यानपूर्वक शिक्षिका का बात सुनेंगे और मुख्य बिन्दुओं को अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखेंगे।	

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

मूल्यांकन का प्रश्न :-

1) 1920 ई० में गाँधी जी ने कौन - सा आन्दोलन शुरू किया ?

2) गाँधी जयंती कब मनायी जाती है ?

3) गाँधी जी ने अंग्रेजों के विरुद्ध किसकी शुरुआत की ?

गृह कार्य :-

1) असहयोग आंदोलन के विषय में विस्तार पूर्वक व्याख्या करें ?

2) महात्मा गाँधी ने आजादी के लिए कौन - कौन से आन्दोलन किये ?

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

सूक्ष्म पाठ योजना - 5

विद्यालय का नाम - भारथी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, माण्डर
वर्ग — 9th
खण्ड — "B"
विषय — इतिहास
प्रकरण — फ्रांसीसी क्रांति
अवधि — 15 मिनट
दिनांक —
छात्राध्यापिका का नाम - नेहा कुमारी

सामान्य उद्देश्य	i) छात्रों में इतिहास विषय के प्रति रूचि उत्पन्न करना। ii) छात्रों में इतिहास जानने की जिज्ञासा उत्पन्न करना। iii) छात्रों को 18 वीं शताब्दी के फ्रांस से अवगत कराना।
विशिष्ट उद्देश्य	i) फ्रांसीसी क्रांति के बारे में छात्रों को सम्पूर्ण जानकारी प्रदान करना। ii) छात्र फ्रांसीसी क्रांति के समय की स्थिति को समझने का प्रयास करेंगें।
शिक्षण सामग्री	→ श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, चित्र, चार्ट आदि।
शिक्षण विधि	→ व्याख्यान विधि, प्रश्नोत्तर विधि।
वर्ग व्यवस्था	→ शिक्षिका वर्ग व्यवस्था को अनुशासित करेंगी।
पूर्व ज्ञान	→ छात्रों को फ्रांसीसी क्रांति के बारे मे सामान्य जानकारी है।

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका क्रियाशीलन
वर्ग प्रवेश	शिक्षिका वर्ग मे प्रसन्न मुद्रा मे प्रवेश करेंगी तथा छात्रों का अभिवादन स्वीकार करेंगी और उन्हें बैठने की अनुमति प्रदान करेंगी।
प्रस्तावना	1) मुगलकाल के दौरान कौन-कौन से देश भारत व्यापार करने आये थे? 2) लोकतंत्र की स्थापना के लिए फ्रांस में क्या हुआ? 3) फ्रांसीसी क्रांति का मुख्य कारण क्या था? बहुत अच्छा।
उद्देश्य कथन	छात्रों आज मैं आप लोगो को फ्रांसीसी क्रांति का मुख्य कारण के बारे में विस्तार से बताऊँगी।
प्रस्तुतीकरण	फ्रांस की क्रांति का मुख्य कारण निरंकुश राजतंत्र था। इसके अतिरिक्त सामाजिक परिस्थितियाँ भी क्रांति का एक कारण था, क्यूँकि फ्रांसीसी समाज विषम और विघटित था। वह समाज तीन वर्गों मे विभक्त था। प्रथम वर्ग पादरी वर्ग, दूसरा वर्ग कुलीन वर्ग और तीसरा वर्ग जन-

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

छात्र क्रियाशीलन	श्यामपट्ट कार्य
छात्र-छात्राएँ शिक्षिका का अभिवादन करेंगे और अनुमति मिलने पर बैठ जायेंगे। **संभावित प्रश्न** 1) अंग्रेज, डच, फ्रांसीसी। 2) फ्रांसीसी क्रांति। 3) मौन (समस्यात्मक प्रश्न) छात्र/छात्राएँ शांति से ध्यानपूर्वक शिक्षिका की बातों को सुनेंगे तथा मुख्य तथ्यों को अपनी उत्तर पुस्तिका मे लिखेंगे।	**फ्रांसीसी क्रांति** * फ्रांस की समाज तीन वर्गों मे विघटित थी- i) प्रथम वर्ग — पादरी ii) द्वितीयक वर्ग — कुलीन iii) तृतीयक वर्ग — जनसाधारण Attested Principal Bharathi College of Education Kandri, Mandar, Ranchi

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका क्रियाशीलन
	साधारण लोगो का था। यही कारण है कि 1789 की फ्रांस की क्रांति असमानता के विरुद्ध संघर्ष था। अत: 14 जुलाई 1789 को पेरिस की भीड़ ने बास्तील के किले पर अधिकार कर लिया। फ्रांस की क्रांति का एक और मुख्य कारण आर्थिक एवं तात्कालिक परिस्थितियाँ भी थी।
पुनरावृत्ति के प्रश्न	1) फ्रांसीसी क्रांति के समय समाज कितने वर्गों में विघटित था? 2) फ्रांस की क्रांति किस नगर से शुरू हुई? 3) फ्रांस की क्रांति किसके विरुद्ध संघर्ष था?

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi

छात्र क्रियाशीलन	श्यामपट्ट कार्य
छात्र - छात्राएँ ध्यानपूर्वक शिक्षिका की बात सुनेंगे।	
उत्तर 1) तीन वर्गों में। 2) पेरिस नगर। 3) असमानता के विरुद्ध।	फ्रांस की क्रांति का मुख्य कारण निम्नलिखित है:- i) निरंकुश राजतंत्र। ii) सामाजिक परिस्थितियाँ। iii) आर्थिक परिस्थितियाँ। iv) तात्कालिक परिस्थितियाँ।

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri,

मूल्यांकन के प्रश्न :-

1) फ्रांस की क्रांति कब शुरू हुई थी?

2) फ्रांस की क्रांति में कब और कहाँ पेरिस की भीड़ ने अधिकार कर लिया?

3) फ्रांस में राजतंत्र को हटाकर प्रजातंत्र की स्थापना कैसे हुई?

गृह कार्य :-

1) फ्रांस की क्रांति का मुख्य कारण बताओ?

2) फ्रांसीसी क्रांति के बारे में विस्तारपूर्वक लिखकर लाना है?

Attested
Principal
Bharathi College of Education
Kandri, Mandar, Ranchi